अंक योजना (2021-2022)

अभ्यास प्रश्न पत्र टर्म 2

इतिहास (027)

कक्षा-XII

समय: 2 **घंटे** **अधिकतम अंक**: 40

	खंड क **लघु उत्तरीय प्रश्न**	3x4=12 M
1.	1) उद्देश्य प्रस्ताव भें आजाद भारत के मूल आदर्शों की रूपरेखा पेश की गई थी। 2) उद्देश्य प्रस्ताव के भाध्यम से उस फ्रेमवर्क को प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार संविधान निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाया गया। 3) प्रस्ताव में यह सुनिश्चित किया गया कि समस्त भारत के लोंगों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा, अवसर और न्याय की समानता प्राप्त होगी। 4) अभिव्यक्ति,उपासना, व्यवसाय आदि की मौलिक स्वतन्त्रता होगी। 5) अल्पसंख्यक एवं पिछड़े वर्ग के तथा जनजातियों के लिए रक्षात्मक प्रावधान होगा । 6) कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 15 Page no. 411	3
2.	**संथाल विद्रोहः-** 1. ब्रिटिश सरकार संथालों की कृषि भूमि पर भारी भू-राजस्व लगा रही थी। 2. साहूकार(दिकू) ऊंची दर पर ब्याज़ वसूल रहे थे, दिकुओं द्वारा संथालों की ज़मीनों पर कब्ज़ा किया जा रहा था। 3. जमींदारों,साहूकारों व ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा दामिन-इ-कोह इलाके पर अतिक्रमण किया जा रहा था। 4. संथाल विद्रोह 1855 से 1856 तक साहूकारों,सरकार और जमींदारों के खिलाफ भागलपुर से लेकर राजमहल की पहाड़ियों पर चला। 5. कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 10 Page no. 272 **अथवा** 1. राजस्व की बहुत ऊँची मांग	3

www.edudel.nic.in

	2. उपज की नीची कीमते जिससे कर चुकाना मुश्किल हो जाता था 3. आसमान राजस्व - 4. सूर्यास्त विधि 5. जमींदार की सीमित शक्ति 6. जमींदार की सैनिक टुकड़ियां भंग 7. रैयतों से ज़मींदारो द्वारा कर वसूली में समस्या 8. कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन) Theme 10 Page 260-261	
3.	1. घोषणाओं द्वारा सभी लोगों से बिना जाति और धर्म का भेद किए विद्रोह का आहवान किया जाता था। 2. मुस्लिम राजकुमारों या नवाबों की ओर से की गई घोषणाओं में हिंदुओं की भावनाओं का विशेष ख्याल रखा जाता था । 3. इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों दोनों का समान लाभ और हानि होनी थी। 4. इश्तहारों में अंग्रेजों से पहले के अतीत की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता था जैसे मुगल साम्राज्य के अंतर्गत धार्मिक सहनशीलता की नीति के कारण सभी समुदायों में सह अस्तित्व की भावना की प्रशंसा की जाती थी। 5. बहादुर शाह के नाम से जारी की गई घोषणाओं में मोहम्मद और महावीर दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में सम्मिलित होने का आहवान किया गया । 6. कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 11 Page 301-303	3
4.	1. चंपारन में किसानों के लिए काश्तकारी की सुरक्षा और अपनी पसंद की फसल उपजाने की आज़ादी दिलाने के लिए 2. खेड़ा में फसल चौपट होने पर राज्य से किसानों का लगान माफ़ करने की माँग। 3. अहमदाबाद में कपड़े की मिलों में काम करने वालों के लिए काम करने की बेहतर स्थितियों की माँग।	3

	4. चंपारन, खेड़ा और अहमदाबाद की इन पहलों से गांधीजी ऐसे राष्ट्रवादी के रूप में उभरे जिसकी गरीबों के प्रति गहरी सहानुभूति 5. कोई अन्य मान्य बिन्दु (कोई तीन बिन्दु) Theme 13 Page 349	
	खंड ख **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**6x3=18**
5.	1) अंग्रेजों और भारतीयों द्वाया विद्रोह की कई तस्वीयें- पेंसिल से बने रेखा, स्क्रीन चित्र, पोस्टर कार्टून आदि बनाए गए थे इनसे विद्रोह की निम्नलिखित छवियों का ज्ञान होता है। 2) चित्रों में ब्रिटिश रक्षकों का अभिनंदन या अंग्रेज़ नायकों का गुणगान किया गया है। 3) टॉमस जोन्स बार्कर द्वाया बनाया गया चित्र 'द रिलीफ़ ऑफ लखनऊ' में कैंपबेल के आगमन पर जश्न मनाने का दृश्य है जो यह दर्शाता है कि ब्रिटिश सत्ता और नियंत्रण स्थापित हो चुका था। 4) कुछ चित्रों में विद्रोह के दौरान अंग्रेजों की दुर्दशा को दर्शाया गया है, जैसे जोसेफ नोएल पेटन ने 'इन मेमोरियम' चित्र में विद्रोहियों की हिंसा व बर्बरता का प्रदर्शन है इसके अतिरिक्त कुछ चित्र जैसे मिस व्हीलर का विद्रोहियों का सामना करते हुए चित्र, जिसमें धरती पर बाइबल पड़ी है-अग्रेज औरतों के संघर्ष का चित्रण है धर्म की रक्षा का संघर्ष साबित करता है। 5) इन चित्रों में अग्रेजों द्वारा विद्रोहियों से प्रतिशोध की भावना और उनको सबक सिखाने की भावना पनपती है जैसे एक हाथ भें तलवार और दूसरे हाथ में ढाल लिए हुए महिला का आक्रामक रूप में चित्र, पेशावर में विद्रोहियों को मृत्युदंड -तोप से उड़ाते हुए चित्र प्रदर्शित हैं। 6) विद्रोहियों को निर्मम तरीके से मौत के घाट उतारना या खुलेआम फांसी पर लटकाना जैसे चित्र लोगों में दहशत या डर फैलाने के लिए पत्र-पत्रिकाओ के द्वाया विभिन्न स्थानों पर भेजे गए । 7) क़निघम को एक भव्य नेक वृद्ध के रूप में दर्शा कर उसका मजाक उड़ाया गया है इससे तात्पर्य है कि प्रतिशोध की आग में दया का कोई स्थान नही है और विद्रोहियों से सख्ती का व्यवहार करना चाहिए। 8) राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना-विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में भी दिखाया गया, जैसे लक्ष्मीबाई विदेशी शासन के विरोध का प्रतीक थी ।	6

www.edudel.nic.in

	9) ये तस्वीरें अपने समय की भावनाओ, अहसासों और संवेदनाओं को प्रतिबिम्बित कर यही थी। 10) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 11 Page 307	
6.	1. गांधीजी की भाषा और सादगी ने उन्हें जनता से जुड़ने में मदद की। 2. पोशाक और जीवन शैली में आम लोगों के साथ सहानुभूति और पहचान बनायी। 3. गांधीजी ने तीन जन आंदोलन करे जिसमें व्यापक रूप से सभी वर्गों ने भागीदारी दी। 4. उनके आह्वान पर छात्रों ने सरकार द्वारा संचालित स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। 5. वकीलों ने अदालतों में जाने से इन्कार कर दिया। मज़दूर वर्ग ने शहरों में हड़ताल कर दी । जनजातियों ने वन कानूनों का उल्लंघन किया है। 6. हिन्दू मुस्लिम एकता पर ज़ोर दिया। हिन्दुओं और मुसलमानों ने ख़िलाफ़त और असहयोग में बढ़ चढ़कर भाग लिया। 7. उन्होंने स्वशासन की अवधारणा को भी बढ़ावा दिया और सत्याग्रह को लोकप्रिय बनाया। 8. उन्होंने अहिंसा को लोकप्रिय बनाया । 9. उन्होंने स्वदेशी और बहिष्कार पर ज़ोर दिया। स्वदेशी और बहिष्कार ने लोगों को आकर्षित किया। 10. उन्होंने चरखे के माध्यम से विकेंद्रीकरण पर ज़ोर दिया । 11. अस्पृश्यता के ख़िलाफ़ आवाज़ 12. चरखे के प्रतीक के माध्यम से स्वदेशी उद्योगों का पुनर्गठन 13. महिलाओं की स्थिति में सुधार की कोशिश की 14. उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में कांग्रेस की नई शाखाएं स्थापित की ओर रजवाड़ों में प्रजा मंडलों की श्रृंखला की स्थापना करके कांग्रेस का पुनर्गठन किया । 15. अत्यधिक प्रतिभाशाली भारतीयों के एक समूह ने स्वयं के गांधी जी से जोड़ा-महादेव देसाई ,वल्लभ भाई पटेल, जवाहर-लाल नेहरू, सी	6

www.edudel.nic.in

	राजगोपालाचारी ।वे सभी विभिन्न क्षेत्रों और धार्मिक परंपराओं से थे। 16. कोई अन्य मान्य बिन्दु (समग्रता में मूल्यांकन) Theme 13 Page 351-352 **अथवा** 1. दिसंबर 1929 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में । 2. जवाहरलाल नेहरु इस अधिवेशन के अध्यक्ष चुने गए जो युवा पीढ़ी के नेतृत्व के प्रतीक माने जाते थे । 3. अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग 4. 26 जनवरी 1930 को विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर और देशभक्ति के गीत गाकर स्वतंत्रता दिवस मनाना। 5. गांधीजी के अनुसार स्वतन्त्रता दिवस मनाने की उद्घोषणा सभी गाँवों और सभी शहरों तक और पूरे देश में एक ही समय संगोष्ठियों हो। 6. समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर की जाए और देशभक्ति गीत गाए जाए। 7. दिन में रचनात्मक कार्य जैसे सूत की कताई ,अछूतों की सेवा , हिंदू मुस्लिम पुनर्मिलन आदि किए जाएं। 8. लोगों को यह प्रतिज्ञा भी लेनी चाहिए कि- भारतीय लोगों को स्वतंत्रता का अधिकार है और कोई भी सरकार इन अधिकारों से उन्हें वंचित नहीं रख सकती है और अगर कोई सरकार इसका दमन करती है तो जनता को इसे बदलने तथा समाप्त करने का भी अधिकार है। 9. कोई अन्य मान्य बिन्दु (समग्रता में मूल्यांकन) Theme 13 Page 355-356	
7.	1. मुगलों के राजत्व सिद्धांत को अबुल फज़्ल ने सबसे ऊंचे स्थान पर रखा। 2. रानी अलानकुआ की कहानी से यह समझाने का प्रयास किया गया कि गर्भ में पल रही संतानों पर दैवीय प्रकाश का प्रभाव स्पष्ट है। 3. दैवीय प्रकाश पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है। 4. मुगल राजत्व के अंतर्गत संतानें फर- ए-इजादी अर्थात ईश्वरीय प्रकाश धारण करती हैं।	6

www.edudel.nic.in

5. फर-ए-इजादी का सिद्धांत सर्वप्रथम सूफी संत शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी ने प्रस्तुत किया।
6. दैवीय राजत्व के अंतर्गत मुगल बादशाह पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि है।
7. इतिवृत्तों के विवरणों के साथ चित्रों ने इन विचारों को इस प्रकार किया कि देखने वाले के मन-मस्तिष्क पर स्थायी प्रभाव पड़े।
8. 17वीं शताब्दी में बादशाओं को प्रभा मंडलों के संग चित्रित किया जाने लगा।
9. कोई अन्य मान्य बिन्दु

Theme 9 Page 232-233

अथवा

1. मुग़ल साम्राज्य के शासक स्वयं को एक विशाल और विजातीय जनता पर शासन के लिए नियुक्त मानते थे।
2. असलियत में राजनीतिक परिस्थितियां इस भव्य दृष्टि को सीमाबद्ध कर देती थी फिर भी ऐसी दृष्टि महत्वपूर्ण रही।
3. मुग़ल बादशाहों द्वारा मुग़लों व स्थानीय सरदारों के बीच राजनैतिक मैत्रियों के ज़रिए तथा विभिन्न क्षेत्रीय राज्यों को मिलाकर मुग़ल साम्राज्य की रचना की गई
4. बादशाह अकबर ने अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
5. उन्होंने इसे अपने समय का विशालतम, दृढ़तम और सबसे समृद्ध राज्य बनाकर सुदृढ़ भी किया।
6. उसने ईरान के सफाविओं और तूरान मध्य एशिया के उज़बेकों की विस्तारवादी योजनाओं पर लगाम लगाए रखी।
7. मुग़ल साम्राज्य में क्रिया और सत्ता लगभग पूरी तरह से एकमात्र बादशाह में निहित थे।
8. शेष राज्य को बादशाह के आदेशों का अनुपालन करना होता था। मुग़ल

www.edudel.nic.in

	राज्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ इसके अधिकारीयों का दल था जिसे इतिहासकार अभिजात वर्ग भी कहते हैं, अभिजात वर्ग में भर्ती विभिन्न नृ-जातीय तथा धार्मिक समूहों से होती थी 9. आज भारत में गणतंत्रीय व्यवस्था, देश का संविधान सभी नागरिकों को सामान दर्जा देता है, धर्म , जाति, रंग, लिंग, क्षेत्रे के आधार पर कोई भेद-भाव नहीं। 10. कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 2 Page 243-244	
	खंड ग **केस आधारित प्रश्न**	**4x2=8**
8.	8.1 मुग़ल भारत की सभी पुस्तकें हाथ से लिखी होती थी और पाण्डुलिपि कहलाती थी। 8.2 मुग़लों के अधीन बहुमूल्य पाण्डुलिपियों की भेंट एक स्थापित राजनयिक प्रथा थी। इसी का अनुकरण करते हुए अवध के नवाब ने जॉर्ज तृतीय को पांडुलिपि भेंट की 8.3 अब्दुल हमीद लाहौरी बादशाहनामा के लेखक है और इसमें शाहजहाँ के शासनकाल का इतिहास दर्ज़ है।	**1+1+2=4**
9.	9.1 महिलाओं के लिए न्याय की माँग बंबई की हंसा मेहता ने उठाई 9.2 पुरुष और महिला के बीच वास्तविक सहयोग पारस्परिक आदर और समझ से संभव है 9.3 संविधान सभा में महिलाओं के लिए सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय की मांग रखी गई थी	**1+1+2=4**
	खंड घ **मानचित्र आधारित प्रश्न**	**1+1=2**
10.	I अथवा II	1

www.edudel.nic.in

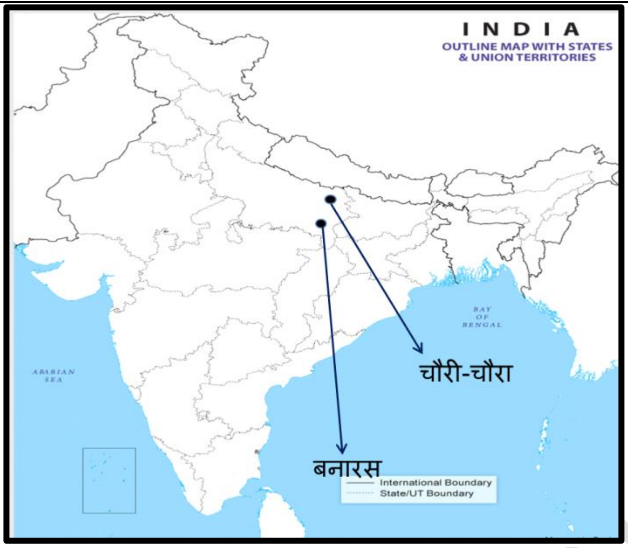

1

b. दिल्ली

2

केवल दृष्टिबाधितों के लिए:

अजमेर और अंबर

अथवा

चौरी-चौरा, बनारस (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य)

www.edudel.nic.in